**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Regarding purchase of non-convertible debentures by LIC of India.

**डॉ. उदित राज (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) :** 2012-2013 में भारतीय जीवन निगम ने यूनिटेक से 750 करोड़ रूपये के नॉन कन्वर्टेबल डिबेंचर्स खरीदे थे, जिसमें यूनिटेक ने 80 पोस्टडेटेड चेक के माध्यम से डिबेंचर राशि वापिस करने का समझौता किया था। 80 पोस्टडेटेड चेक डिसऑनर होने के बावजूद निगम द्वारा अतिरिक्त निवेश यूनिटेक में जारी रहा। यूनिटेक की कुछ सम्पत्ति जो कोलेटरल असेट्स के रूप में निगम ने बंधक रखी थी, बाद में इन सम्पत्तियों को कम मूल्य की सम्पत्तियों से अवैध रूप से बदल दिया गया। दिनांक 1 दिसम्बर, 2014 को मिलेनियम पोस्ट न्यूज के अनुसार माननीय वित्त मंत्री महोदय ने इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की बात कही थी, परंतु 26 मई, 2017 को सी.आई.सी. ने सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी दी है कि इस तरह का कोई मामला लंबित नहीं है।

माननीय वित्त मंत्री महोदय का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा की अतिशीघ्र दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही हो।